SET- II

माध्यमिक परीक्षा 2019

वर्ग – दशम

विषय– हिन्दी 'ए'

समय – 3 घंटे | पूर्णांक : 80

सामान्य निर्देश

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपनी ही भाषा– शैली में उत्तर दें।
2. इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड है यथा क, ख, ग एवं घ। चारों खण्डों से सभी प्रश्न अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने उपांत में अंकित है।
4. प्रश्नों में उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के आलोक में ही लिखें।

खण्ड – क (अपठित गद्यांश 08 + अपठित काव्यांश 07 = 15 अंक)

1 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 1

आत्मनिर्भरता का अर्थ है – अपने ऊपर निर्भर रहना, जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते, वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता हैं। आत्मनिर्भरता का अर्थ है– समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता– प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है। 1

जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके। स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, तो वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही संपूर्ण कर लेगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है।

(क) 'आत्मनिर्भर व्यक्ति' से आप क्या समझते हैं? 2

(ख) लेखक के अनुसार आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ है? 2

(ग) स्वावलंबन जीवन का क्या है? 1

(ङ) जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब कौन होता है? 1

2 निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उससे पूछे गए प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

हँस लो दो क्षण खुशी मिली गर
वरना जीवन–भर क्रन्दन है।

किसका जीवन हँसी–खुशी में
इस दुनिया में रहकर बीता ?
सदा–सर्वदा संघर्षों को
इस दुनिया में किसने जीता ?
खिलता फूल म्लान हो जाता
हँसता–रोता चमन–चमन है।
कितने रोज चमकते तारे
कितने रह–रह गिर जाते हैं
हँसता शशि भी छिप जाता है।
जब सावन घन घिर आते हैं।
उगता ढलता रहता सूरज
जिसका साक्षी नील गगन है।
आसमान को छूने वाली,
वे ऊँची–ऊँची मीनारें।
मिट्टी में मिल जाती हैं वे
छिन जाते हैं, सभी सहारे।
दूर तलक धरती की गाथा
मौन मुखर कहता कण–कण है।
यदि तुमको मुसकान मिली तो
मुसकाओं सबके संग जाकर
यदि तुमको सामर्थ्य मिला तो
थामो सबको हाथ बढ़ाकर
झाँको अपने मन–दर्पण में
प्रतिबिम्बित सबका आनन है।

(क) कवि दो क्षण के लिए मिली खुशी पर हँसने के लिए क्यों कह रहे हैं ? 2

(ख) इस काव्यांश में संसार की किस वास्तविकता को प्रस्तुत किया गया है ? 2

(ग) धरती का कण–कण कौन सी गाथा सुनाता रहा है ? 1

(घ) यदि तुम्हें मुसकान मिली है तो क्या करना चाहिए ? 1

(ङ) 'आनन' और 'गगन' का अर्थ लिखिए। 1

खण्ड – ख (व्यावहारिक व्याकरण : 15 अंक)

3 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) माली फूल तोड़ रहा है। (क्रिया के भेद का नाम लिखिए) 1

(ख) बलवान व्यक्ति कुश्ती लड़ रहा है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1

(ग) माँ भोजन बना रही है। (क्रिया पद छाँटकर लिखिए) 1

4 रिक्त स्थानों की पूर्ति अव्यय पदों से कीजिए :

(क) पता नहीं वह .... चला गया। 1

(ख) मैंने तो .... नहीं किया। 1

(ग) अनुराग .... विद्यालय जाता है। 1

(घ) वह .... सच बोलता है। 1

5 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) संयुक्त वाक्य का एक उदाहरण दीजिए। 1

(ख) परिश्रमी लड़के परीक्षा में सफल होते हैं। (मिश्र वाक्य में बदलें) 1

(ग) छत पर कैसे सोओगे? (भाववाच्य में बदलें) 1

(घ) मैं भोजन कर रहा हूँ। (यह किस प्रकार का वाच्य है?) 1

6 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए :

(क) 'धर्माधर्म' का समास विग्रह करें। 1

(ख) 'शरणागत' कौन समास है? 1

(ग) अत्ययीभाव समास का एक उदाहरण दीजिए। 1

(घ) 'काल' के दो भिन्न अर्थ लिखिए। 1

खण्ड – ग (पाठ्य–पुस्तके : 30 अंक)

7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे–चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लंबी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किन्तु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिलकुल कम पहनते। कमर से एक लंगोटी–मात्र और सिर में कबीरपंथियों की सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही औरतों के टीके की तरह शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।

(क) बालगोबिन भगत का व्यक्तित्व कैसा था? 2

(ख) बालगोबिन भगत की वेशभूषा कैसी थी? 2

(ग) भगत जी गले में क्या पहनते थे? 1

अथवा

फादर को याद करना एक उदास शांत संगीत को सुनने जैसा है। उनको देखना करूणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा था और उनसे बात करना कर्म के संकल्प से भरना था। मुझे 'परिमल' के वे दिन याद आते है जब हम सब एक पारिवारिक रिश्ते में बँधे जैसे थे जिसके बड़े फादर बुल्के थे। हमारे हँसी–मजाक में वह निर्लिप्त शामिल रहते, हमारी गोष्ठियों में वह गंभीर बहस करते, हमारी रचानाओं पर बेबाक राय और सुझाव देते और हमारे घरों के किसी भी उत्सव और संस्कार में वह बड़े भाई और पुरोहित जैसे खड़े हो हमें अपने आशीषों से भर देते।

(क) फादर को याद करना शांत संगीत को सुनने जैसा क्यों है? 2

(ख) 'परिमल' से आप क्या समझते हैं? 'परिमल' में क्या होता था? 2

(ग) फादर का पूरा नाम लिखिए। 1

8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x4=8

(क) हालदार साहब हमेशा चौराहे पर रुककर नेताजी की मूर्ति को क्यों निहारते थे?

(ख) 'लखनवी अंदाज' पाठ में क्या विचार व्यक्त किया गया है?

(ग) वह कौन–सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न,

अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?

(घ) बिस्मिल्ला खाँ को शहनाई की मंगलध्वनि का नायक क्यों कहा गया है?

9 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उससे संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि कोउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहिं सिवधनु तोरा। सहसबाहु सम सो रिपु मोरा।।
सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।

(क) परशुराम के क्रोध करने पर श्रीराम ने उनसे क्या कहा? 2

(ख) श्रीराम की विनम्रता पर परशुराम ने क्या कहा? 2

(ग) यह काव्यांश किस भाषा में वर्णित है? 1

अथवा

फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी–काली–संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपांतर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा की थिरकन का!

(क) कवि के अनुसार फसल क्या है? 2

(ख) 'नदियों के पानी का जादू' का क्या तात्पर्य है? 2

(ग) 'रूपांतर है सूरज की किरणों का' क्या आशय है? 1

10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 2x4=8

(क) उद्धव के व्यवहार की तुलना किस–किस से की गई है?

(ख) कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है?

(ग) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं? कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है?

(घ) आपके विचार से माँ ने ऐसा क्यों कहा कि लड़की होना पर लड़की जैसी मत दिखाई देना?

11 रानी एलिजाबेथ के दरजी की परेशानी का क्या कारण था? इसकी परेशानी को आप किस तरह तर्क संगत ठहराएँगे?

अथवा

आज की पीढ़ी द्वारा प्रकृति के साथ किस तरह का खिलवाड़ किया जा रहा है। इसे रोकने में आप की क्या भूमिका होनी चाहिए?

खण्ड –घ (रचना लेखन : 20 अंक)

12 दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए : 10

(क) परिश्रम का महत्व :
(संकेत बिन्दु – परिश्रम का अर्थ, परिश्रम का महत्व, शारीरिक और मानसिक श्रम, भाग्य और पुरूषार्थ, उपसंहार)

(ख) भारतीय किसान :
(संकेत बिन्दु – परिश्रमी जीवन, दयनीय दशा, सुधार के उपाय, उपसंहार)

(ग) हमारा राज्य झारखण्ड :
(संकेत बिन्दु – भौगोलिक स्थिति, वन–संपदा, कृषि, जन–जीवन, उपसंहार)

13 वाद–विवाद प्रतियोगिता में प्रथम आने पर अपने मित्र को एक बधाई पत्र लिखिए। 5

अथवा

अपने क्षेत्र में पेड़–पौधों की अनियंत्रित कटाई को रोकने के लिए अपने जिले के उपायुक्त को एक अनुरोध पत्र लिखिए।

14 अपने पुराने मकान को बेचने संबंधी विज्ञापन का उल्लेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

'पतंजलि हर्बल साबुन' की बिक्री हेतु लगभग 50 शब्दों में एक विज्ञापन प्रस्तुत कीजिए।